''जनसंख्या अनुसंधान केंद्र"

(Website: https://prc.mohfw.gov.in/)

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्लू) ने भारत के 16 प्रमुख राज्यों में फैले 18 जनसंख्या अनुसंधान केंद्रों (पीआरसी) के नेटवर्क की स्थापना की है, जिसमें विभिन्न बातों के साथ-साथ राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कार्यक्रमों और नीतियों से संबंधित महत्वपूर्ण अनुसंधान आधारित निविष्ट प्रदान करने का अधिदेश हैं। यह योजना वर्ष 1958 में दिल्ली और केरल में 2 पीआरसी की स्थापना के साथ शुरू हुई थी और अब 18 पीआरसी तक विस्तारित हो गई है, जिसमें 1999 में पीआरसी सागर के नवीनतम समावेश किया गया है। इनमें से 12 विभिन्न विश्वविद्यालयों से जुड़ी हुई हैं और 6 राष्ट्रीय ख्याति अनुसंधान संस्थानों में हैं।

पीआरसी को वेतन, भत्ते, अनुमोदित अनुसंधान अध्ययन, बुनियादी ढांचे के विकास, अनावर्ती व्यय आदि के लिए व्यय को पूरा करने के लिए सहायता अनुदान के रूप में एमओएचएफडब्लू द्वारा 100% वित्तीय सहायता अनुदान दिया जाता है। केंद्र प्रशासनिक रूप से उनके मेजबान विश्वविद्यालय/ संस्थानों के नियंत्रण में हैं। पीआरसी और उनके मेजबान विश्वविद्यालय/संस्थान की सूची **अनुलग्नक -क** में है।

पीआरसी में विद्वानों का एक अंतःविषय समूह है, जो जनसांख्यिकी, सांख्यिकीविदों, अर्थशास्त्रियों, गणितज्ञों, समाजशास्त्रियों और अन्य विशेषज्ञों का मिश्रण है और वे सक्रिय रूप से शोध कार्य करते हैं, जो भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित होता है। जनसंख्या अध्ययन और सामाजिक विज्ञान, स्वास्थ्य और पोषण से संबंधित समकालीन मुद्दों पर अनुसंधान करने में समान कौशल और क्षमताओं वाला कोई अन्य अखिल भारतीय तंत्र नहीं है।

पीआरसी परिवार नियोजन, जनसांख्यिकीय अनुसंधान, जैविक अध्ययन और जनसंख्या नियंत्रण के गुणात्मक पहलू से संबंधित अनुसंधान करते हैं, ताकि योजना निर्माण, रणनीतियों और चल रही योजनाओं के नीतिगत हस्तक्षेपों के लिए इन शोध अध्ययनों से प्राप्त प्रतिक्रिया का लाभ उठाया जा सके। पीआरसी कर्मचारियों की विशेषज्ञता का उपयोग एचडब्ल्यूसी और सेवाओं के संचालन, एमएलएचपी के प्रशिक्षण की गुणवत्ता की समीक्षा, लक्ष्य, एचबीएनसी/एचबीवाईसी, आरबीएसके, स्टेमी, अनमोल /आरसीएच पोर्टल, एनक्यूएएस आदि के कार्यान्वयन जैसे प्रमुख कार्यक्रमों के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को देखने के लिए भी किया जाता है। नियमित क्षेत्रीय/राज्य विशिष्ट अनुसंधान के अलावा, पीआरसी मंत्रालय द्वारा कई अखिल भारतीय अध्ययन/अनुसंधान और डीएलएचएस, एनएफएचएस, एलएएसआई आदि जैसे प्रतिदर्श सर्वेक्षणों में भी शामिल हैं। पीआरसी हर साल मंत्रालय द्वारा आवंटित जिलों के एनएचएम कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के महत्वपूर्ण घटकों की निगरानी में भी शामिल हैं। पीआरसी द्वारा संचालित पीआईपी जिलों का वर्षवार अनुसंधान अध्ययन और निगरानी **अनुलग्नक -ख** में हैं। पीआरसी इन रिपोर्टों को नियमित रूप से मंत्रालय को प्रस्तुत करते हैं। पीआरसी ने स्थापना से 4000 से अधिक शोध अध्ययन पूरे कर लिए हैं; प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में उनके 110 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हैं। पीआरसी से प्राप्त रिपोर्ट नियमित रूप से हर साल हितधारकों के साथ साझा की जाती है ताकि इन शोध अध्ययनों से प्रतिक्रिया का उपयोग चल रही योजनाओं के निर्माण, रणनीतियों और संशोधनों के लिए किया जा सके।

अनुलग्नक - क

पीआरसी और उनके मेजबान विश्वविद्यालय/संस्थान की सूची

क्रं संख्या	केंद्र का नाम	मेजबान विश्वविद्यालय / संस्थान	स्थापना वर्ष
(1)	(2)	(3)	(4)
1	पीआरसी,दिल्ली	आर्थिक विकास संस्थान,दिल्ली	1958
2	पीआरसी, केरल	केरल विश्वविद्यालय,त्रिवेन्द्रम	1958
3	पीआरसी, धारवाड़	जेएसएस आर्थिक रिसर्च संस्थान, धारवाड़	1961
4	पीआरसी,गांधीग्राम	ग्रामीण स्वास्थ्य और परिवार कल्याण ट्रस्ट, गांधीग्राम(टीएन)	1961
5	पीआरसी, पुणे	गोखले राजनीति और अर्थशास्त्र संस्थान, पुणे	1963
6	पीआरसी, पटना	पटना विश्वविद्यालय, पटना	1966
7	पीआरसी, लखनऊ	लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ	1966
8	पीआरसी, बड़ौदा	एमएस विश्वविद्यालय, बड़ौदा	1967
9	पीआरसी, बैंगलोर	सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, बैंगलोर	1972
10	पीआरसी, उदयपुर	उदयपुर विश्वविद्यालय,उदयपुर	1977
11	पीआरसी, विशाखापट्टनम	आंध्र विश्वविद्यालय,विशाखापट्टनम	1977
12	पीआरसी, गुवाहाटी	गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी	1977
13	पीआरसी,भुवनेश्वर	उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर	1977
14	पीआरसी, पंजाब यूनिवर्सिटी,चंडीगढ़	पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़	1978
15	पीआरसी, श्रीनगर	श्रीनगर विश्वविद्यालय (जे & के)	1985
16	पीआरसी, सीआरआरआईडी चंडीगढ़	ग्रामीण एवं औद्योगिक विकास के लिए अनुसंधान केंद्र (सीआरआरआईडी), चंडीगढ़	1986
17	पीआरसी, शिमला	हिमाचल विश्वविद्यालय, शिमला	1988
18	पीआरसी, सागर	डॉ हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय,सागर	1999

अनुलग्नक -ख

पीआरसी द्वारा संचालित पीआईपी जिलों का वर्षवार अनुसंधान अध्ययन और निगरानी

वर्ष	एडब्ल्यूपी अध्ययन की संख्या	एनएचएम की पीआईपी निगरानी में शामिल जिलों की संख्या
2021-22	119	416
2020-21 *	95	-
2019-20	39	459
2018-19	82	177
2017-18	80	184
2016-17	98	186
2015-16	92	198
2014-15	104	212

***** महामारी के कारण वर्ष के दौरान सौंपे गए केवल माध्यमिक अध्ययन